



# भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण  
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (i)  
PART II—Section 3—Sub-section (i)

प्राधिकार से प्रकाशित  
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 169] नई दिल्ली, बुधवार, अप्रैल 1, 1987/चैत्र 11, 1909  
No. 169] NEW DELHI, WEDNESDAY, APRIL 1, 1987/CHAITRA 11, 1909

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में  
रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as  
a separate compilation

## उद्योग मंत्रालय

(औद्योगिक विकास विभाग)

नई दिल्ली, 30 मार्च, 1987

### अधिसूचना

सा. का. नि. 359(अ) — विस्फोटक नियम, 1983 का संशोधन करने के लिए कतिपय नियमों का प्राव्य विस्फोटक अधिनियम, 1884 (1884 का 4) की धारा 18 की उपधारा (1) की प्रवेधानुसार, भारत सरकार के उद्योग मंत्रालय (औद्योगिक विकास विभाग) की अधिसूचना सं. सा. का. नि. 1068 (अ), तारीख 4 नवम्बर, 1986 द्वारा भारत के राजपत्र (असाधारण), भाग 2, खंड 3, उपखंड (i) तारीख 9 सितम्बर, 1986 में प्रकाशित किया गया था जिसमें उक्त अधिसूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की समाप्ति के पूर्व उन व्यक्तियों में आक्षेप और सुझाव मांगे गए थे, जिनके उससे प्रभावित होने की संभावना थी।

और उक्त राजपत्र की प्रतिमा 19 नवम्बर, 1986 को जनता को उपलब्ध करा दी गई थी;

और केन्द्रीय सरकार को कोई आक्षेप या सुझाव प्राप्त नहीं हुए हैं;

अतः केन्द्रीय सरकार, विस्फोटक अधिनियम, 1884 (1884 का 4) की धारा 5 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करने हुए निम्नलिखित नियम बनाती है, अर्थात्—

1 (1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम विस्फोटक (संशोधन) नियम, 1987 है।

(2) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।

2. विस्फोटक नियम, 1983 के नियम 179 के उपनियम (i) में, मारणी के स्थान (1) में आने वाले "पुलित उप अधीक्षक" शब्दों के स्थान पर "पुलित निरीक्षक" शब्द रखे जाएंगे।

टिप्पण — मूल नियम/आदेश अधिसूचना सं. 75, सा. का. नि. 248 (अ), तारीख 2 मार्च, 1983 द्वारा भारत के राजपत्र 1983 (असाधारण), भाग 2, खंड 3, उपखंड (i) में प्रकाशित किए गए थे।

तत्पश्चात् उनका निम्नलिखित द्वारा संशोधन किया गया —

(1) अधिसूचना सं. 259, सा. का. नि. 511(अ), तारीख 25 जून, 1985, भाग 2, खंड 3, उपखंड (i)।

[फा सं. 2 (13) /85-डी पी आर/ ई जी जी]  
मोहिन्द्र सिंह, उप सचिव

## MINISTRY OF INDUSTRY

(Department of Industrial Development)

New Delhi, the 30th March, 1987

## NOTIFICATION

G.S.R. 359(E).—Whereas a 'draft' of certain rules to amend the Explosives Rules, 1983 was published as required by sub-section (1) of section 18 of the Explosives Act, 1884 (4 of 1884) vide notification of the Government of India, Ministry of Industry (Department of Industrial Development) No. GSR 1068(E), dated the 4th September, 1986, in the Gazette of India (Extraordinary), Part-II, Section 3, Sub-section (i), dated the 9th September, 1986, inviting objections and suggestions from all persons likely to be affected thereby before the expiry of 45 days from the date of publication of the notification in the Official Gazette.

And, whereas the copies of the said official gazette were made available to the public on the 19th September, 1986.

And whereas, no objections and suggestions have been received by the Central Government;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by section 5 of the Explosives Act, 1884 (4 of 1884)

the Central Government hereby makes the following rules, namely :—

1. (1) These rules may be called the Explosives (Amendment) Rules, 1987.
- (2) They shall come into force on the date of their publication in the official gazette.
2. In the Explosives Rules, 1983, :—

in sub-rule (i) of rule 179 of the Explosives Rules, 1983 for the words 'a Deputy Superintendent of Police', appearing in column (i) of the table, the words 'an Inspector of Police shall be substituted.

Note : Principal rules/order published vide Notification No. 75, GSR 248(E) dated 2nd March, 1983, Gazette of India 1983 (Extraordinary), Part-II, Section 3, Sub-section (i).

Subsequently amended by :—

- (i) Notification No. 259, GSR 511(E) dated 25th June, 1985, Part-II, Section 3, Sub-section (i).

[File No. 2(13)/85-DPR|EGG]

MOHINDER SINGH, Dy. Secy.